भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
06.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2949 का उत्तर

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर

2949. श्री जय प्रकाश:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या यह सबसे महत्वाकांक्षी रेल परियोजना अपने निर्धारित समय से पीछे चल रही है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इसका ट्रायल रन कब तक शुरू किए जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 किलोमीटर) को जापान सरकार की तकनीकी और वित्तीय सहायता से निष्पादित किया जा रहा है। यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजर रही है जिसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशन बनाए जाने की योजना बनाई गई है।

महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण परियोजना वर्ष 2021 तक प्रभावित हुई है। तत्पश्चात, भूमि अधिग्रहण में तेजी आई है, वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) का अधिग्रहण कर लिया गया है।

वन्यजीव, तटीय विनियमन क्षेत्र और वन संबंधी सभी सांविधिक स्वीकृतियाँ प्राप्त कर ली गई हैं। परियोजना से संबंधित सभी सिविल ठेके प्रदान किए जा चुके हैं। कुल 28 निविदा पैकेजों में

से, 24 निविदा पैकेज जारी किए जा चुके हैं। सभी 1651 जनोपयोगी सुविधाओं को स्थानांतरित कर दिया गया है।

विभिन्न महत्वपूर्ण मदों की अब तक की प्रगति निम्नानुसार है:

मद	प्रगति		
	गुजरात	महाराष्ट्र	कुल
नींव	350 कि.मी.	56 कि.मी.	406 कि.मी.
खम्भे	350 कि.मी.	45 कि.मी.	395 कि.मी.
गर्डर कास्टिंग	332 कि.मी.	1.67 कि.मी.	333.67 कि.मी.
गर्डर लांचिंग	312 कि.मी.	0.16 कि.मी.	312.16 कि.मी.

127 किलोमीटर लंबे पुल पर पटरी बिछाने का काम शुरू हो गया है और ओएचई मास्ट लगाने का काम प्रारंभ हो गया है।

कुल 12 स्टेशनों में से, 8 स्टेशनों (वापी, बीलीमोरा, सूरत, भरुच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती) पर नींव का काम पूरा हो चुका है। महाराष्ट्र खंड में, 3 स्टेशनों (ठाणे, विरार, बोईसर) पर नींव का काम प्रगति पर है और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्टेशन पर खुदाई का काम लगभग पूरा हो चुका है और बेस स्लैब का कास्टिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।

16 नदी पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है। गुजरात में 5 प्रमुख नदी पुलों (नर्मदा, विश्वामित्री, माही, ताप्ती और साबरमती) पर निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और महाराष्ट्र में 4 नदी पुलों का कार्य प्रगति पर है। डिपो (ठाणे, सूरत और साबरमती) पर कार्य जोरों पर है।

गुजरात में एकमात्र सुरंग का काम पूरा हो गया है। समुद्र के नीचे सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का काम शुरू हो गया है। इसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4 कि.मी. सुरंग का कार्य पूरा हो चुका है।

कॉरिडोर के गुजरात वाले हिस्से में वापी और साबरमती के बीच कार्य को दिसंबर, 2027 तक पूरा करने की योजना बनाई गई है। पूरी परियोजना {बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से साबरमती खंड} दिसंबर, 2029 तक पूरी होने की संभावना है। बहरहाल, बुलेट ट्रेन परियोजना एक बहुत ही जटिल और तकनीकी रूप से गहन परियोजना है। परियोजना के पूरा होने की निश्चित समय-सीमा का अनुमान सिविल संरचनाओं, रेलपथ, विद्युत, सिगनल प्रणाली और दूरसंचार से जुड़े सभी संबंधित कार्यों और ट्रेनसेट की आपूर्ति के पूरा होने के बाद ही लगाया जा सकता है।

******